'सब कोटा ले जाओ, कोटा से ही सरकार बन जाएगी, वहीं से जीत जाएंगे सारे'

कांग्रेस विधायक कागजी बरसे, "धारीवाल भेदभाव करते हैं, लोगों का घोर अपमान करते हैं, योजनाएं कैसे धरातल पर उतरेंगी"

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस के नेताओं की बयानबाजी को लेकर एक दिन पहले ही राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने नेताओं को चेतावनी दी थी, लेकिन इस चेतावनी का किसी भी नेता पर कोई असर पड़ता नहीं दिख रहा है। चेतावनी के अगले दिन ही जयपुर से एक कांग्रेस विधायक ने सीधे यूडीएच मंत्री को निशाने पर ले लिया है।

- एक दिन पहले बयानबाजी रोकने को लेकर प्रभारी रंधावा ने चेतावनी दी थी, लेकिन नेताओं पर असर नहीं

जयपुर की किशनपोल विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक आमीन कागजी ने जयपुर शहर के विकास कार्यों की अनदेखी को लेकर नाराजगी जताते हुए यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल पर जमकर निशाना साधा और कहा कि वे सबकुछ कोटा ले जाना चाहते हैं, कोटा से ही कांग्रेस जीत जाएगी। कोटा से ही सरकार बन जाएगी। कांग्रेस विधायक अमीन कागजी ने यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल पर जयपुर की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि यूडीएच मंत्री के पास जयपुर के लिए वक्त क्यों नहीं है? हमारे जेईएन के पद खाली पड़े हैं, कहीं जेईएन नहीं है, कहीं एईएन नहीं है, तो कहीं कर्मचारी नहीं है। इससे जनता में गलत मैसेज जा रहा है।

कागजी ने कहा कि मुख्यमंत्री इतने उदार हैं, सीएम सारी योजनाएं दे रहे हैं, लेकिन मंत्री कुंडली मारकर बैठे हुए हैं। आप मेरे किशनपोल की ही हालत देख लीजिए। मैं 10 महीने में मंत्री को 10 चिट्ठियां लिख चुका कि एक्सईएन लगा दीजिए, लेकिन कहा, नहीं दूंगा। सारे कोटा ले जाओ, कोटा से ही सरकार बन जाएगी। वहीं से जीतकर आ जाएंगे सारे, नंबर वन मंत्री हैं, जीत जाएंगे वो। यह कोई होता है क्या? जयपुर में हमें चार सीटें मिली, नगर निगम में एक्सईएन नहीं है, जेईएन नहीं हैं। सरकार पैसा देती है, योजनाएं कैसे धरातल पर उतरेंगी।

कागजी ने कहा कि मैं सीवरेज के लिए 50 करोड़ रुपए सैंक्शन करवाकर लाया। दो साल पहले सीवरेज के लिए पैसा दे दिया, मंत्रीजी आज तक उसका टेंडर नहीं करवा पाए। ऐसे कैसे चलेगा। 276 करोड़ फिर ले आए हम। धारीवाल भेदभाव करते हैं, लोगों का घोर अपमान करते हैं। अरे अंकल, मेरे पिताजी के साथ रहे हुए आदमी हो, इतनी तो कृपा कर दो। कब तक हम उधार के इंजीनियरों से काम चलाते रहेंगे।

'डीईओ अवमानना की दोषी, सजा सुनने के लिए पेश हो'

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को अदालती आदेश के बावजूद नियुक्ति देने में कोताही बरतने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने टोंक की माध्यमिक जिला शिक्षाधिकारी मीना लसारिया को अवमानना के लिए दोषी माना है।

अदालत ने डीईओ को कहा है कि वह दस अप्रैल को सजा पर सुनवाई के लिए पेश हो। इसके साथ ही अदालत ने अतिरिक्त मुख्य शिक्षा सचिव को शपथ पत्र पेश कर बताने को कहा है कि अदालती आदेश की नौ साल के बाद भी पालना क्यों नहीं की गई। अदालत ने एसीएस से पूछा है कि सरकारी वकील यह कैसे कह सकते हैं कि प्रशासनिक प्रक्रिया के चलते अब तक आदेश की पालना नहीं की गई और पालना के लिए अतिरिक्त समय और दिया जाए। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश मोहम्मद राशिद की अवमानना याचिका पर दिए।

सुमित भगासरा बने कांग्रेस राजस्थान सोशल मीडिया चेयरमैन

जयपुर, (का.प्र.) अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल ने राजस्थान कांग्रेस कमेटी के सोशल मीडिया व डिजिटल प्लेटफार्म विभाग में स्टेट चेयरमैन और कॉर्डिनेटर्स की नियुक्तियां करते हुए राजस्थान एनएसयूआई और यूवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रहे सुमित भगासरा को चेयरमैन बनाया है। इनके अलावा प्रतीक सिंह, विक्रम स्वामी, संजीव राजपुरोहित, अनुपम शर्मा और रंजना साहू को स्टेट कॉर्डिनेटर बनाया गया है।

नवनियुक्त चैयरमैन सुमित भगासरा ने नई जिम्मेदारी प्रदान करने पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, विभाग की राष्ट्रीय अध्यक्षा व एआईसीसी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत तथा एआईसीसी संगठन महासचिव, सांसद केसी वेणुगोपाल का आभार जताया। भगासरा ने बताया कि राजस्थान में नए जिलों की संख्या बढ़ने के अनुसार अब जिला और ब्लॉक लेवल पर भी विभाग के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की जाएगी। इसके पश्चात जल्द ही कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के मार्गदर्शन में एक प्रदेश स्तरीय सम्मेलन का आयोजन करवाया जाएगा। साथ ही कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण शिविर करवाया जायेगा।

सुमित भगासरा के कांग्रेस राजस्थान सोशल मीडिया चेयरमैन बनने पर कार्यकर्ताओं ने उनका फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया।

भगासरा के अनुसार उनकी प्राथमिकता रहेगी कि राजस्थान कांग्रेस के अभियानों/जन आंदलनों तथा राजस्थान सरकार की लोकप्रिय योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जायेगा। इसके साथ ही विरोधी पार्टियों द्वारा सोशल मीडिया पर फैलाए जाने वाले झूठ/दुष्प्रचार को बेनकाब किया जाएगा।

पूर्व जागीरदार व समाजसेवी रावल रघुवीर सिंह धूला का निधन

जयपुर, (का.सं.)। पूर्व जयपुर रियासत के ठिकाना धूला के पूर्व जागीरदार रावल रघुवीर सिंह राजावत का आज पूर्वान्ह 11 बजे उनके जयपुर निवास स्थान पर निधन हो गया। वह 85 वर्ष के थे। उनके पार्थिव शरीर का दाह संस्कार 6 अप्रेल को पूर्वान्ह 11 बजे दौसा जिले के भांडारेज में किया जायेगा।

रावल रघुवीर सिंह धूला

रावल रघुवीर सिंह जयपुर से 40 किलोमीटर दूर पूर्व रियासत के 52 गांव के बड़े ठिकाने धूला के 12वें जागीरदार व रियासत के प्रमुख ताजीमी सरदार थे। जयपुर की ही राजपूत सभा और श्री भवानी निकेतन की स्थापना व इन संस्थाओं की प्रगति में उनका विशेष सहयोग व संरक्षण रहा है। उनके पिता रावल सुमेर सिंह धूला जयपुर रियासत में जागीर कमिश्नर थे।

वह पांच पुत्रियों के पिता थे। उनकी सबसे छोटी पुत्री नंदिता सिंह के पुत्र गिरिशाय उनके उत्तराधिकारी (पुत्र) है। उनके परिवार जन ने बताया कि अधिक बीमार हो जाने पर भी उन्होंने कह दिया था कि उन्हें अस्पताल नहीं ले जाया जावे। सन् 1958 से उनके मित्र वेद आहूजा ने बताया कि मेयो कॉलेज अजमेर सेंट जेवियर स्कूल और महाराजा कॉलेज जयपुर में अध्ययन किया। वह क्रिकेट खेलना पसंद करते थे। निर्धन परिवारों की लड़कियों के विवाह व अन्य धार्मिक व सामाजिक कार्यों में सिंह उदारतापूर्वक सहयोग देते रहते थे।

रावल रघुवीर सिंह के सहयोग से ही पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के पौत्र राजीव नयन प्रसाद द्वारा लिखित पुस्तक "राजा मानसिंह आमेर" पुस्तक का हिन्दी अनुवाद सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. रतनलाल मिश्र द्वारा करवाकर जोधपुर के राजस्थानी ग्रन्थागार द्वारा प्रकाशन कराया गया था।

आतंकवादियों का बरी होना कांग्रेस सरकार को पड़ेगा भारी : सी.पी.जोशी

जयपुर। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि 2008 जयपुर में हुए बम ब्लास्ट बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है, कांग्रेस सरकार खुद को बचाने के लिए राजस्थान के बड़े-बड़े वकीलों को मोटी रकम देकर हायर कर लेती है, लेकिन जयपुर ब्लास्ट में मारे गए 71 लोगों की कांग्रेस सरकार को कतई परवाह नहीं है, इसी के अन्तर्गत कांग्रेस सरकार द्वारा आतंकवादियों को बचाव में असंवेदनशीलता बरतते हुए एक बडा वकील क्यों नहीं कर सकी। जो इन आतंकवादियों को इनके किये कर्मों की सजा दिला सके।

- 'जहां एक ओर कांग्रेस सरकार आतंकवादियों के बचाव में 18 वकील खड़े कर सकती है, तो राजस्थान की जनता के लिए एक बड़ा वकील खड़ा क्यों नहीं कर सकी'

जोशी ने कहा कि कमजोर पैरवी के चलते जनता विरोधी ऐसे आतंकवादियों का छूंटना कांग्रेस सरकार के लिए बहुत ही शर्मनाक विषय है, कांग्रेस पार्टी के आलाकमान को खुश करने के लिए तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए पैरवी को कमजोर करने की कोशिश की है, आश्चर्य का विषय है उदयपुर के कन्हैयालाल की हत्या से पहले स्वयं ने सुरक्षा की मांग की थी। लेकिन पुलिस प्रशासन द्वारा इसे हलके में लेते हुए सहयोग नहीं करते हुए सुरक्षा नहीं दी गई। हत्या के आरोपियों को जनता द्वारा पुलिस को सुपुर्द किया गया तो पुलिस प्रशासन द्वारा जनता को शाबासी देने की एवज में यह कहा गया कि आप लोगों को आरोपियों को पकड़कर लाने की कहां जरूरत पड़ रही है, ऐसे शब्द कांग्रेस सरकार के शासन में प्रशासन द्वारा बहुत ही शर्मनाक विषय है। आज राजस्थान में कांग्रेस सरकार तुष्टिकरण की सारी हदें पार कर चुकी है, हिंदू नववर्ष हो, रामनवमी का जुलूस हो या जय श्रीराम के नारे को रोकने वाली ऐसी जनविरोधी कांग्रेस सरकार कान खोलकर सुनले जब तक इस प्रकार की ओछी मानसिकता के साथ कांग्रेस की मानसिकता खत्म नहीं हो जाती तब तक भाजपा का कार्यकर्ता जनहित के लिए दृढ़ संकल्प के साथ खड़ा मिलेगा।

गुजरात की तरह राजस्थान में भी गेम चेंजर साबित होगा पन्ना प्रमुख अभियान : डॉ. पूनियां

जयपुर। भाजपा मिशन 2023 एवं 2024 के विजय संकल्प को लेकर प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में नमो वॉलंटियर्स कार्यशालाओं का आयोजन कर नमो वॉलंटियर्स की नियुक्ति का अभियान चला रही है। जयपुर देहात उत्तर के आमेर विधानसभा क्षेत्र के नमो वॉलंटियर्स को भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने संबोधित करते हुए कहा कि, 2023 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव के विजय संकल्प को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में ऐतिहासिक जीत के साथ पूरा करेंगे, इसके लिये हमें पूरी ताकत और परिश्रम से जुटे रहना है।

- सवा तीन वर्षों में राजस्थान में भाजपा ने 50 हजार बूथों तक फोटोयुक्त बूथ समितियों का गठन कर लिया और पन्ना प्रमुख अभियान का 70 प्रतिशत से अधिक काम पूरा कर लिया

उन्होंने कहा कि, पार्टी को जो पूरा समय देंगे, संगठन के काम को नीचे तक विस्तारित करेंगे और इसी को लेकर पार्टी ने एक महत्वपूर्ण अभियान शुरू किया था पन्ना प्रमुख अभियान, यह योजना गुजरात में गेम चेंजर साबित हुई। इस लिहाज से जितना हम नीचे तक जायेंगे लोगों के बीच में, खासतौर पर एक बड़ा लाभार्थी वर्ग है जो केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से लाभान्वित हुआ है।

पूनियां ने कहा कि मोदी सरकार की सभी लोकहितैषी नीतियां एक समर्थक और शुभचिंतक वर्ग में तब्दील हुई हैं और वह मतदाताओं में तब्दील हों, इसको लेकर पार्टी कार्ययोजना पर काम कर रही है।

बैठक में महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री बादाम देवी वर्मा, जालसू मंडल अध्यक्ष बंशी यादव, अचरोल मंडल अध्यक्ष छाजू लाल मीणा, रामपुरा मंडल अध्यक्ष पप्पू लाल सैनी, आमेर शहर मंडल अध्यक्ष दौलत सिंह शेखावत, मानपुरा मंडल अध्यक्ष सोहनलाल शर्मा, जालसू प्रधान हरदेव यादव, आमेर प्रधान बद्रीनारायण बागड़ा, आमेर विधानसभा प्रभारी विमल अग्रवाल, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष भगवान शर्मा, पूर्व प्रधान सीता चौधरी इत्यादि भी मौजूद रहे।

पंजाब की राजस्थान पर 5 रन से जीत

गुवाहाटी, 5 अप्रेल। कप्तान शिखर धवन-प्रभसिमरन सिंह के बाद नाथन एलिस के धारदार गेंदबाजी के दम पर पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स पर 11वीं जीत दर्ज की है। टीम ने 5 रन की जीत हासिल की। मौजूदा सीजन की बात करें तो यह टीम की लगातार दूसरी जीत है। टीम ने पहले मैच में को मैथड से 7 रन से हराया। गुवाहाटी के मैदान पर राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 197 रन बनाए। 198 रन का टारगेट चेज करते हुए राजस्थान की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 192 रन ही बना सकी।

इससे पहले 198 रन का टारगेट चेज करने उतरी राजस्थान ने पावर प्ले में 57 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। यशस्वी जायसवाल, जोस बटलर और रविचंद्रन अश्विन पवेलियन लौट गए। कप्तान संजू सैमसन ने ओपनिंग जोड़ी में बदलाव किया था। उन्होंने बटलर की जगह रविचंद्रन अश्विन को

बतौर ओपनर भेजा, हालांकि अर्शदीप ने जायसवाल को आउट कर टीम को पहला झटका दिया। उसके बाद खेलने आए बटलर भी जल्दी आउट हो गए। वे जीवनदान का फायदा नहीं उठा सके। बरार ने सैम करेन की बॉल पर उनका कैच छोड़ा था।

गुवाहाटी के मैदान पर बुधवार को टीम ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 197 रन बनाए। प्रभसिमरन सिंह ने 34 बॉल पर 60 रन बनाते हुए अपने करियर का पहला अर्धशतक बनाया, जबकि शिखर धवन ने 56 बॉल पर नाबाद 86 रन बनाते हुए लीग में अपनी 48वीं फिफ्टी जमाई। जितेश शर्मा ने 27 रन का योगदान दिया।

प्रभसिमरन के साथ पहले विकेट के लिए 90 रन की साझेदारी करने के बाद कप्तान धवन ने जितेश शर्मा के साथ तीसरे विकेट के लिए 30 गेंद पर 60 रन की साझेदारी की। जितेश शर्मा 16वें ओवर में चहल की गेंद पर रियान पराग को कैच दे बैठे। उन्होंने 27 रन बनाए।

हमारे बल्लेबाज बड़ा स्कोर बनाने में असफल रहे हैं : अगरकर

नयी दिल्ली, 5 अप्रेल। दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच अजीत आगरकर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुजरात जायंट्स के हाथों मिली छह विकेट की हार के बाद स्वीकार किया है कि उनके बल्लेबाज अब तक टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। अरुण जेटली स्टेडियम पर मंगलवार को खेले गये मैच में दिल्ली ने 20 ओवर में 162 रन बनाये, जबकि गुजरात ने 163 रन का लक्ष्य 18.1 ओवर में हासिल कर लिया। इससे पहले लखनऊ सुपरजायंट्स ने दिल्ली को उसके पहले मुकाबले में 193 रन का लक्ष्य दिया था, जबकि डेविड वॉर्नर की टीम 143 रन तक ही पहुंच सकी थी।

आगरकर ने मैच के बाद कहा, "मुझे लगता है कि हम एक टीम के रूप में अच्छा नहीं खेले। हमारा ऊपरी क्रम असफल रहा और कोई भी आवश्यक रन नहीं बना सका। हम दोनों मैचों में ही रन नहीं बना सके। हमें निश्चित ही सुधार करने की जरूरत है, क्योंकि हम इस टूर्नामेंट में कई मजबूत टीमों का सामना कर रहे हैं।" दिल्ली की चिंताएं मुख्यत: ऊपरी क्रम से जुड़ी हैं। सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर जहां तेजी से रन बनाने में नाकाम रहे हैं, वहीं पृथ्वी शॉ और सरफराज अहमद तेज गेंदबाजों के आगे संघर्ष करते नजर आये हैं। शॉ ने दो मैचों में क्रमश: 12 और सात रन बनाये हैं। पहले मैच में चार रन का स्कोर बनाने वाले सरफराज ने गुजरात के खिलाफ 30 रन बनाये, लेकिन इसके लिये उन्होंने 34 गेंदें खेलीं।

आगरकर ने शॉ और सरफराज से जुड़े एक सवाल पर कहा, "आप एक या दो खिलाड़ियों की वजह से नहीं हारते। मुझे लगता है कि हम एक टीम के रूप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। हमें इसे स्वीकार करना होगा और अगले मैच में सुधार करना होगा। ये दोनों बल्लेबाज पहले भी अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं। ऐसा नहीं है कि हमारे पास अच्छी टीम नहीं है, हमें बस अपनी योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करना है।"

पृथ्वी पर भड़के वीरू : बोले- शुभमन गिल-गायकवाड़ से सीखो, अपनी गलतियों को सुधारो, खराब शॉट खेलकर आउट हुए शॉ

नई दिल्ली, 5 अप्रेल । पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने दिल्ली कैपिटल्स के ओपनर पृथ्वी शॉ पर भड़क गए, क्योंकि गुजरात के खिलाफ मुकाबले में पृथ्वी शमी की बॉल पर खराब शॉट खेलकर आउट हुए।

44 साल के इस पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज ने पृथ्वी को सलाह देते हुए कहा- शॉ को शुभमन गिल और ऋतुराज गायकवाड़ को देखना चाहिए और अपने प्रदर्शन में निरंतरता लाना चाहिए। शॉ को अपनी गलतियों से सीखना होगा।

पृथ्वी शॉ गुजरात टाइटंस के खिलाफ 7 रन ही बना सके। वे मोहम्मद शमी की बॉल पर अल्जारी जोसेफ को कैच दे बैठे। पहले मैच में पृथ्वी ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ महज 12 रन ही बनाए थे।

सहवाग ने क्रिकबज से कहा- शॉ इस तरह की शॉट पर लगातार आउट हो रहे हैं।

उन्हें अपनी गलतियों से सीखना होगा। पृथ्वी को शुभमन गिल और ऋतुराज गायकवाड को देखना चाहिए। जो लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके प्रदर्शन में निरंतरता है। गिल पृथ्वी के साथ अंडर-19 वर्ल्ड कप में थे और वे टीम इंडिया में तीनों फॉर्मेट में अपनी जगह बना चुके हैं, वहीं पृथ्वी शॉ में अभी भी संघर्ष कर रहे हैं। उन्हें के इस मंच का फायदा उठाना चाहिए और रन बनाना चाहिए। ऋतुराज ने पिछले सीजन में 600 से ज्यादा रन बनाए हैं। शॉ को भी अपने में प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी।

पृथ्वी शमी की शार्ट बॉल पर पुल शॉट खेलना चाहते थे, लेकिन बॉल की गति और हाइट समझ नहीं सके। ऐसे में बॉल बल्ले के टॉप एज के साथ मिड ऑन की दिशा में चली गई। जहां उन्हें अल्जारी जोसेफ ने आउट किया। दिल्ली कैपिटल्स ने इस सीजन में अपने दोनों शुरुआती मैच गंवाए हैं। मंगलवार को दिल्ली ने अपने होम ग्राउंड में गुजरात जायंट्स के खिलाफ 20 ओवर में 7 विकेट पर 162 रनों का स्कोर बनाया। 163 रनों का टारगेट गुजरात के बल्लेबाजों ने 18.1 ओवर में 4 विकेट पर बना डाला। लखनऊ जायंट्स के खिलाफ मैच में भी दिल्ली कैपिटल्स को 50 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

फुटबॉल दिल्ली : बी-डिवीजन लीग की शुरुआत आज से

नयी दिल्ली, 5 अप्रेल। दिल्ली सॉकर एसोसिएशन की बी-डिवीजन लीग का उद्घाटन मैच यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम पर दिल्ली स्टूडेंट्स एफसी और कोलंबस यंगस्टर्स एफसी के बीच गुरुवार को खेला जायेगा। इस लीग में कुल 34 क्लब भाग ले रहे हैं जिन्हें चार समूहों में बांटा गया है। दो महीने तक चलने वाली लीग में कुल 156 मैच खेले जाने हैं। पहले दिन उद्घाटन मैच के बाद वीनस एफसी को नॉर्दन यूनाइटेड एफसी से और वॉरियर्स एफसी को ईव्स एससी से खेलना है।

एमसीसी ने धोनी को दी लाइफटाइम मेंबरशिप

नई दिल्ली, 5 अप्रेल। एमसीसी क्रिकेट के नियम बनाने वाली संस्था यानी मेलिरिबोन क्रिकेट क्लब ने 2011 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान एमएस धोनी सहित पांच भारतीय क्रिकेटर को क्लब की लाइफटाइम मेंबरशिप से नवाजा है। ने बुधवार (5 अप्रैल) को इसकी घोषणा की। धोनी के अलावा सुरेश रैना और युवराज सिंह सहित 19 पुरुष और महिला क्रिकेटरों को सम्मानित किया गया है। इसमें दो नॉन-प्लेइंग व्यक्ति भी हैं, जिन्हें पिच के बाहर उनके शानदार योगदान के लिए सम्मानित किया गया है।

भारत ने धोनी की कप्तानी में 2011 में 28 साल बाद वनडे विश्व कप जीता था। युवराज और रैना उस टीम के सदस्य थे। वहीं में मिताली राज 232 मैचों में 7,805 रन बनाई हैं, जो महिला क्रिकेट में सर्वाधिक रन

इस लिस्ट में युवराज, रैना, मिताली और झूलन गोस्वामी भी शामिल

बनाने का रिकॉर्ड है। विमेंस मैचों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली झूलन गोस्वामी भी सम्मान सूची में शामिल हैं।

एमसीसी का लाइफटाइम मेंबरशिप किसे दिया जाता है?

खेल के कुछ दिग्गजों को उनके इंटरनेशनल करियर में शानदार प्रदर्शन के लिए लाइफटाइम मेंबरशिप देने पर विचार करती है और फिर उन्हें उससे नवाजा जाता है। लाइफटाइम मेंबरशिप उन व्यक्तियों को भी दिया जाता है जिन्होंने या खेल में असाधारण योगदान दिया हो। आखिरी बार 2021 में ने 18 नए सदस्यों को लाइफटाइम मेंबरशिप दी थी। इसमें भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह और पूर्व तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ भी शामिल थे।

एमसीसी क्या है?

क्रिकेट के नियम बनाती है और समय-समय पर इसमें भी बदलाव भी करती है। मेरिलबोन क्रिकेट क्लब आज से साल 1787 में अस्तित्व में आया था। इसका हेडक्वार्टर इंग्लैंड का लॉर्ड्स मैदान में है। के आने से पहले के नियमों पर ही क्रिकेट खेला जाता था। आज भी के नियमों पर ही चलता है। अभी भी क्रिकेट के नियम बनाता है, लेकिन वे से हो कर ही गुजरते है।

दिल्ली को सपोर्ट करने स्टेडियम पहुंचे पंत

स्टंप्स से लगी बॉल गिल्लियां नहीं गिरी, डीआरएस में बचे मिलर ने जिताया

नई दिल्ली, 5 अप्रेल। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस ने सीजन की अपनी दूसरी जीत दर्ज कर ली है। गुजरात ने अरुण जेटली स्टेडियम में होम टीम दिल्ली को 6 विकेट से हराया। साई सुदर्शन और डेविड मिलर बैटिंग में, वहीं राशिद खान, मोहम्मद शमी और अल्जारी जोसेफ बॉलिंग में मैच विनर्स रहे। मैच में मोहम्मद शमी के ओवर की एक बॉल स्टंप्स से लगी, लेकिन गिल्लियां नहीं गिरीं। एनरिक नॉर्त्या ने पहली ही बॉल पर स्टंप्स बिखेरे और ऋषभ पंत मैच देखने पहुंचे। दिल्ली के विकेटकीपर अभिषेक पोरेल और गुजरात के कीपर रिद्धिमान साहा ने कैच लेने के लिए बेहतरीन डाइव मारी। मैच के ऐसे ही टॉप मोमेंट्स को इस खबर में हम जानेंगे। दिल्ली की पिच पर घास थी, इस कारण पहले ही ओवर से तेज गेंदबाजों को बॉल स्विंग कराने में मदद मिल रही थी। पहली पारी में मोहम्मद शमी की पहली ही बॉल वाइड रही, अगली गेंद शमी ने गुड लेंथ पर फेंकी। बैटर के पास से गुजरते हुए बॉल किसी से टकराकर विकेटकीपर के पास गई। गुजरात ने कैच आउट की अपील की, लेकिन अंपायर ने इसे नकार दिया। रिप्ले में नजर आया कि बॉल स्टंप्स से लगी थी, बैट से नहीं। इस ओवर में शमी की गेंदों ने बहुत हरकत की।

7 मैच, 5 विदेशी प्लेयर जीत के हीरो : 3 बार 200 रन बने, भारतीय टॉप स्कोरर, रिस्ट स्पिनर्स ने खेल बदला

अहमदाबाद, 5 अप्रेल। इंडियन प्रीमियर लीग में 5 दिन के बाद 7 मैच पूरे हो चुके हैं। शुरुआती ट्रेंड में विदेशी प्लेयर्स और रिस्ट स्पिनर्स का बोलबाला रहा। युवा भारतीय खिलाड़ी जैसे रवि बिश्नोई ने गेंदबाजी से प्रभावित किया। वहीं ऋतुराज गायकवाड़, साई सुदर्शन और तिलक वर्मा ने बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया।

हालांकि 7 में से 5 मुकाबलों में विदेशी खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द मैच रहे। दूसरी ओर बेन स्टोक्स, सैम करन, हैरी ब्रूक और कैमरून ग्रीन जैसे करोड़ों में बिकने वाले खिलाड़ियों का अब तक का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। आगे स्टोरी में हम के शुरुआती 7 मैचों का ट्रेंड जानेंगे। किन खिलाड़ियों का दबदबा रहा, स्कोरिंग रेट कैसा रहा और कौन से खिलाड़ी गेमचेंजर साबित हुए। साथ ही टॉप कमाई वाले फ्लॉप खिलाड़ियों पर भी नजर डालेंगे। की डिफेंडिंग चैंपियन टीम गुजरात टाइटंस ने टूर्नामेंट का आगाज ही चेन्नई सुपर किंग्स पर जीत के साथ किया। टीम ने फिर दिल्ली को उसके घरेलू ग्राउंड पर 6 विकेट से हराया। टीम 2 मैचों में 2 जीत के बाद 4 अंकों के साथ पहले नंबर पर है। राजस्थान, बेंगलुरु, लखनऊ, पंजाब और चेन्नई को एक-एक मुकाबलों में जीत मिली।

दिल्ली कैपिटल्स ने शुरुआती दोनों मैच हारे हैं। दिल्ली के अलावा कोलकाता, मुंबई और हैदराबाद टीम को भी पहली जीत की तलाश है। मिनी ऑक्शन में ऑलराउंडर्स और खासतौर पर विदेशी खिलाड़ियों की तिजोरी खूब भरी थी, लेकिन टूर्नामेंट के पहले सप्ताह में उन महंगे खिलाड़ियों का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। इनमें 17.50 करोड़ के कैमरून ग्रीन, 16.25 करोड़ के बेन स्टोक्स और 13.25 करोड़ के हैरी ब्रूक का प्रदर्शन सबसे निराशाजनक रहा। मुंबई के ग्रीन बेंगलुरु में बैटिंग विकेट पर 5 रन ही बना सके और 2 ओवर की बॉलिंग में 30 रन दे बैठे। स्टोक्स भी 2 मैचों में 15 रन ही बना सके।